अध्याय ३

लीच विकाल के लिए योजना
अध्याय 3

कीच विकास के लिए योजना

विकास-बंद वालों मुख्यः रच कीच प्रधान उर्धः है, जिसका
70.23 प्रतिशत क्षेत्रफल निशा फसल शेष के भंगित है। मूल कीच प्रधान के 93.06
प्रतिशत क्षेत्र में मुख्य है। वाला और फसल का उपभाषण किया जाता है।
यहां के निर्म फसल क्षेत्र का 52.65 प्रतिशत दिखित है। यह क्षेत्र के मुख्य फसल
शान है, जिसके उपभाषण में यह उपयुक्त है।

कीच योजना का उपायम

इस अध्याय का उद्देश्य उपभोग-हर पहाड़ा
उपभोग रच उपभोग में संयुक्त स्वास्थ्य विभाग का प्रयास करना
उद्देश्य के प्राप्त के लिए कीच योजना के सारी जगहें

1. विकास-बंद वालों में कीच के बने
2. कीच-समस्तों के प्रदान के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के अधिक साथ
3. विभाजन-समावेशों की ज्ञात देखना स्वास्थ्यविधि है। वालों का क्षेत्र
4. उपभोग बनाना-वाला। कारण जनसंख्या अधिक होने के कारण पुन: विभिन्न नियम
5. इंटेग्रल-संयुक्त क्षेत्र का क्षेत्र (0.102 हेक्टेर) है। उत्तर-पूर्व क्षेत्र में यह
6. उपभोग कीच के क्षेत्र में यह महत्त्व क्षेत्र में सर्वाधिक
(0.446 हेक्टेर) है। पशुपालन के लिए यह महत्त्व क्षेत्र होते जाता है। पूर्वी क्षेत्र में
क्षेत्रों के पास जेल कीच अधिक बने होने के कारण यह महत्व अधिक है।
(परिषिक्षण कारक 3.2)
है (सवतेना, 1982)। फिकल-बङ्ग का विशेषण भाग मैथवानी है। फलस्थल निसा फसल का श्रेणिफल मध्य प्रदेश के तुलना में बहुत अधिक है।

कृषि-बुधि का श्रेणीय वितरण

फिकल-बङ्ग चालीक का उल्लेख भाग मैथवानी रूप से पीवैशाली भाग पड़ा है, अतः कृषि-श्रेणि उल्लेख भाग में विशेषाकृत गैंग है। उल्लेख भाग में पृथ्वी से पशुवर्ग कृषि क्षेत्र में कम होने लगता है। क्षेत्र के मध्य में रूपलता केन्द्र बेलमोठ में निशा फसल का क्षेत्र (87.86 प्रतिशत) सर्वाधिक है। इससे लगभग पृथ्वी केन्द्र ग्रामों - भोरता, पीपरहटी, निमो और निपानी में कृषि बुधि का प्रतिशत उच्च प्रचालित है। (परिसंचरण क्रमांक 3.1) क्षेत्र के पशुवर्ग में पशुवर्ग केन्द्र बिपण और प्रजनन में निशा फसल क्षेत्र बहुत कम गिलास है। वहाँ में फिकल-बङ्ग का सबसे कम क्षेत्र (48.28 प्रतिशत) उस वर्ग में है। इससे लगभग केन्द्र ग्राम बिपण में अनुपस्थित है और कृषि योग्य बुधि अधिक होने के कारण निशा फसल क्षेत्र (49.64 प्रतिशत) कम गिलास है (मानवाधिक क्रमांक 3.1)

प्रति व्यक्ति कृषि बुधि

संसाधनों के साथ उत्पादकता के साथ जैविक प्रबन्धन के अधिक साधन उपलब्ध होने के कारण जनसंख्या का किसी क्षेत्र में केंद्रित होना स्वाभाविक है। पशुवर्ग यह क्षेत्र का उच्च मात्रा निसर्गिक केंद्र है, जहाँ जनसंख्या अधिक होने के कारण प्रति व्यक्ति निसा फसल का क्षेत्र प्रवेश में सबसे कम (0.192 रेत) है। उत्तर-पूर्वी भाग में यह धनल साधारण अधिक है। यहाँ केन्द्र ग्राम धरण में यह धनल क्षेत्र में सर्वाधिक (0.446 रेत) है। पशुवर्ग के और यह धनल कम होते जाता है। पृथ्वी क्षेत्र में फिकलों के पास जैविक बुधिक अधिक होने के कारण यहाँ धनल अधिक होता है। (परिसंचरण क्रमांक 3.2)
ची फसलों की शेयरहृत्य

स्वायत्त उद्योग, वि.द्र. के वित्त मंत्री और जल के उपाध्यक्ष नामक प्रवेश में दो फसली शेखर के वित्त में नियोजित करने वाले प्रमुख जलक हैं।

विकास-बंध में 12,598.569 हेक्टेयर हेक्टरक हो फसली शेखर के उत्तराधिकार है। निर्माण शेखर के हेक्टर के वित्त में दो फसली शेखर का प्रतिशत 59.68 है, जबकि यद्यपि प्रवेश के लिए यह प्रतिशत 5.500 मिलता है (सर्वेखा, 1982)। इस विवरण में दो शेखर का सत मध्य प्रवेश के गौत उत्तर से उत्तर है। विकास-बंध में दो फसली शेखर के वित्त में आवश्यक धारिता मिलता है। (संस्कृत क्रमक 3.2) बंदीय जमा व्यवस्था में जो विकास-बंध के लागू मध्य मेदरनी भाग में है, निर्माण शेखर के हेक्टर में दो फसली शेखर का प्रतिशत 39.40 मिलता है, जबकि दक्षिणी उत्तर भाग में प्रतिशत केंद्रों आम धारिता में यह प्रतिशत 4.09 मिलता है। विकास-बंध के कुल भौगोलिक हेक्टर के वित्त में दो फसली शेखर का प्रतिशत 41.92 मिलता है, जबकि यह प्रतिशत मध्य प्रवेश में 1.07 है (सर्वेखा, 1982)। विकास-बंध के उत्तर-पूर्व मेदरनी भाग में सिवार्य के अधिक विशिष्ट प्रमुख मिलने के कारण दो फसली शेखर का हेक्टर वर्धान का अधिक धारिता है, जबकि दक्षिणी भाग में जल के उपल्ब्धिक कम होने तथा पहाड़ी हेक्टर होने के कारण दो फसली शेखर का प्रतिशत कम है। इसने जल केंद्रों आम तैरें और सौंदर्य में सिवार्य की वृद्धि का अभाव कम होने के कारण दो फसली शेखर का प्रतिशत कम है। (परिसंहार क्रमक 3.3)। विकास-बंध के कुल क्षेत्र-शेयरक (33,706.644 हेक्टर) में प्रति व्यक्ति क्षेत्र-शेयरक बहुत 0.436 हेक्टेयर है।

पढ़ने भूमि

विकास-बंध के कुल भौगोलिक हेक्टर के बहुत प्रौढ़ का प्रतिशत 1229.469 हेक्टेयर (4.09 प्रतिशत) मिलता है। दक्षिणी पहाड़ी भाग में प्रति केंद्रों आम धारिता में कुल भौगोलिक हेक्टर के बहुत प्रौढ़ का प्रतिशत 9.39 प्रतिशत मिलता है, जबकि सपाते केंद्रों आम पूर्वोत्तर के विकास-बंध के उत्तर-पूर्व भाग में है। यह प्रतिशत 0.28 मिलता है। पढ़ने प्रौढ़ के वित्त में
जन के उपत्यकाता का नियंत्रण एक स्वतंत्र नेता के मित्र तथा समर्थक नेता है। होश में प्रविष्ट में निकाय तथा इतिहास प्रवेश के काल पहले पूर्ण का भौगोलिक ध्वनि है, वह डेंड्रिक प्राम संग्रह क्षेत्रीय नेता और प्रवेश में है। पति दिनांक से सुयोग का निर्भर निर्माण होने के काल पहले पूर्ण का भौगोलिक ध्वनि है। होश का उत्तर-पूर्व में यहाँ मानने का विचार बोले पता हुआ है, अतः पहले पूर्ण का क्षेत्रफल में चिकित्सा-बंध में होने का काल है। (मानचित्र कार्यक्रम 3.3, परिसरण कार्यक्रम 3.4)।

विचार्य

विकास-बंध के निर्मा क्षेत्रफल का 52.65 प्रतिशत विशिष्ट है। डेंड्रिक प्राम चरम, अर्थ-गटेटा, नेवारिका, तेक्सार, पैंटै, बजार, बेसा और स्पर्श-बंध के मध्य दैनिक भाग में है, नहीं विचार्य सुयोग शोधकित है। यहाँ विचार्य शोधकित का प्रतिशत उच्चतम रहता है। डेंड्रिक प्राम संग्रह और युग-युगान्तर यद्यपि उत्तरोत्तर में है, तथापि विचार्य शोधकित का प्रतिशत यहाँ निम्न रहता है। यह दोनों डेंड्रिक प्राम पूर्व के उत्तर तथा मध्य युग-युगान्तर दैनिक भाग में है, तथापि विचार्य शोधकित का प्रतिशत यहाँ निम्न रहता है। यह दोनों डेंड्रिक प्राम पूर्व के उत्तर तथा मध्य युग-युगान्तर दैनिक भाग में है, तथापि विचार्य शोधकित का प्रतिशत यहाँ निम्न रहता है (मानचित्र कार्यक्रम 3.4, परिसरण कार्यक्रम 3.5)। होश में वर्ष के जीत दैन 1143.83 मिलीग्रेम है, जिसका अधिकांश वर्ष के बाद मिलने (मध्य जन के मध्य शासक) में है यह जीत हो जाता है। कुल कुल शोषण के 54.76 प्रतिशत भाग में ध्वनि और 45.24 प्रतिशत भाग में रखे के फसल ले जाते हैं। वर्ष के सत्ता तथा विचार्य के अनुसार वर्ष के वर्ष के प्रति होते हैं। वर्ष सा के पश्चात् अविश्वसनीय का उपयोग रखे फसलों के दृश्य लिखा जाता है। रखे के फसलों के मध्य विश्वसनीय दृश्य प्रतीत होता है, स्थान रखे तथा कुछ मील में चेता जाता है। जब तिन वर्ष के आक्षेपण संतुष्ट कम होते हैं, जहाँ के वर्ष के फसल होने के संभावनाओं और बढ़ जाते हैं।
विचार के साधन

विकास-बंध में विचार के मुख्य साधन नागर (कुल सिविल प्रौढ़ का 81.82 प्रतिशत), तालाब (9.73 प्रतिशत), ग्राम (4.42 प्रतिशत), नलनगर (0.83 प्रतिशत) स्थि नवी-नगर (3.20 प्रतिशत) है। होश का आध्य-उद्देश्य भाग सर्वाधिक विचित्र है, नहीं निस्सार शोध का 80 प्रतिशत से अधिक भाग सिंचाई है।

नागर

विकास-बंध में नागर विचार का मुख्य साधन है। इसके 9.093.927 क्षेत्रफल (कुल सिविल प्रौढ़ का 81.82 प्रतिशत) में विचार होते हैं (परिक्षेत्र क्रमांक 3.6)। उल्लेख में जिनों का विकास आधिक हुआ है। यहाँ कुल सिविल प्रौढ़ का 80 प्रतिशत से अधिक नागर के द्वारा सिंचाई होती है। विकास-बंध का नागर के द्वारा सर्वाधिक विचित्र क्षेत्र केंद्रीय श्रम तक्षिण (97.96 प्रतिशत) में है। वहीं पहाड़ी मोरे के कारण वातावरण में नागरों का विकास कम या लागत नहीं हुआ है।

तालाब

विकास-बंध में तालाबों में 1.081.456 क्षेत्रफल (कुल सिविल प्रौढ़ का 84.73 प्रतिशत) होते हैं। यहां प्रति विचार के साधनों के खबरों में उच्चतम का स्थान प्राप्त रेखा के पितृश ता। केंद्रीय श्रम वर्ग, जो दीर्घवर्षीय ऊँचाई भाग में उपलब्ध है, यहां नहीं के विचार बहुत कम होते है (6.13 प्रतिशत)। इसके विपरित केंद्रीय श्रम तक्षिण में कुल सिविल क्षेत्रफल का 97.96 प्रतिशत नागर के द्वारा सिंचित है, यहां तालाबों में केवल 0.06 प्रतिशत प्रौढ़ के विचार होते है (परिक्षेत्र क्रमांक 3.6)।
कुंभ विश्व-बंध में कुंभों से 492. 262 हेक्टेयर (कुल विशिष्ट धारा का 4.42 प्रतिशत) क्षेत्र की विद्यमान होते है। कुंभों को अवकाशपत्र के प्रान्त पर दी जाती है। यह बंध से घर या तालाब से विद्यमान के प्रभाव के कारण विद्यमान प्रकाशित हुआ है। वहाँ नहर या तालाब से विद्यमान के प्रभाव उपलब्ध नहीं हो सकते हैं, वहाँ कुंभों के जीवन में महत्वपूर्ण है। विश्व-बंध के दक्षिणी भाग में कुंभों के उत्तराधिकारी धारा का प्रतिशत (35.27) प्रवेश में सर्वोच्च है। उत्तर रक्त मैवानी क्षेत्र में यद्यपि कुंभों के उत्तराधिकारी धारा का प्रतिशत सर्वोच्च है, परंतु नहरों के अधिक विकास होने के कारण कुंभों का प्रतिशत अपेक्षाकृत कम प्रवेश होता है।

वरिष्ठ - नाते

विश्व-बंध में नवी नातों से 352.897 हेक्टेयर (3.20 प्रतिशत) क्षेत्र की विद्यमान होते है। केंद्रीय प्राय समावेश में कुल प्रतिवेदन होता के 48.36 प्रतिशत मान के विश्व-बंध से अधिक नहीं होते हैं, जबकि यह प्रतिशत केंद्रीय प्राय शेषलाफ के लिए 0.04 मिलता है (प्रतिशत क्रमांक 3.6)। केंद्रीय प्राय बालादेव, आलमता और स्वर्णिमा से होकर तांता नहीं प्रवहित होते हैं, हालांकि इन केंद्रीय प्रायों में नहीं दंड विशिष्ट होता सर्वोच्च विकास होता है। इस प्रकार केंद्रीय प्राय वर्ग और जगन्नादनपुर से होकर वर्गीया तथा जमान नहीं प्रवहित होता है। फलस्वरूप नातों के दंड विशिष्ट होता सर्वोच्च विकास होता है। वस्त्र केंद्रीय प्रायों में हाल नहीं - नातों से उरु होने के कारण उनके दंड विशिष्ट होता सर्वोच्छत कम भित्ता है। वे केंद्रीय प्राय नियामक, नियोजक और नियोजित हैं।

शास्त्रीय प्रतिक्रिया

क्षेत्र के कुल क्रेडि होता में 93.06 प्रतिशत पर मुख्य: तीन बादाय फालना - धारा, रात, और लिमिट बोर्ड जाते है। मेने, गुंडे, तुबक, मेने,
फल, सार-भाने तथापि अन्य गोष्ठ्य फसलें हैं, जो कुल कृषि क्षेत्रफल के 6.94 प्रतिशत भाग पर बोरे जाते हैं।

पान (जावत)

पान इस क्षेत्र के मुख्य आदर्श फसल है, जो कुल कृषि क्षेत्रफल के 57.9 प्रतिशत भाग पर बोरे जाते हैं (परिषिप्त क्रमांक 3.7, 3.8)। मुख्य आदर्श फसल गोरे के काले केंद्रीय ग्रामों के लिए इसके वितरण विशेष उर्जा मिलता है। नहर द्वारा वितरित क्षेत्र में क्षेत्राधिकारी पान (जनवरी-अगस्त) बोरे जाते हैं। निस्सा बेरोज़फल में इसका प्रतिशत 10.98 तथा कुल फसल क्षेत्रफल में 6.88 प्रतिशत है।

वालें

वर्गीय यां गोरे वालों में वालों का उपयोग कम होता है तथापि वालों इस क्षेत्र के विविध ग्राम के आदर्श फसलें हैं, जो कुल कृषि क्षेत्रफल के 20.63 प्रतिशत भाग पर बोरे जाते हैं (परिषिप्त क्रमांक 3.8)। वालों में तिलक, उहद, कुंडी, मधुर, बना, बाहर और सर्वोच्च मुख्य है। वालों के उपवायन-पर बहुत ही कम है। क्षेत्र के मध्य नैवनी ग्राम में विविध केंद्रीय ग्राम बेलमों में कुल कृषि-क्षेत्र के 33.6 प्रतिशत भाग में इसके गोरे की जाते हैं, जबकि केंद्रीय ग्राम हरी तीमा हमला, जो दसलों ऊपर भाग में है, में इसके कृषि ग्राम: 6.69 तथा 6.33 प्रतिशत भाग में बोरे जाते हैं।

तिलक फसलें

विकास-बंध के तृतीय ग्राम के आदर्श फसलें तिलक है, जो कुल कृषि-क्षेत्रफल के 13.52 प्रतिशत (परिषिप्त क्रमांक 3.8), भाग में बोरे जाते हैं।
वित्तपंश फसलों में बत्ती और तिल कुछ है। उनके उत्पादन-पर भी बहुत ही कम है। क्षेत्र के उत्तर-पूर्व में मैदानी भाग के क्षेत्रीय ग्राम निबंधित के कुल क्षेत्र-एवं के 21.98 प्रतिशत भाग पर उनके क्षेत्र के जाते हैं, जबकि क्षेत्रीय ग्राम द्वारा योग कोडागावाला के क्षेत्र- 1.3। स्वे 0.84 प्रतिशत शेष में तितलड़नों के क्षेत्र के जाते हैं।

वर्ष बाद रेवं क्षेत्रवर फसलों 

कुल क्षेत्र हेल्फल में 6.94 प्रतिशत भाग पर वर्ष बाद रेवं क्षेत्रवर फसलों भरे जाते हैं, जिनमें हेल्फ (1.27 प्रतिशत), कुटक (0.27), तुलस (1.04), गेहूँ (2.54), फल (0.65), साफ-भारी (0.48), वन (0.01), तथा अन्य (0.67), फसलों हैं (राष्ट्रीय क्रमांक 3.8)। ये सभी गोष्ठी हेल्फ फसलों हैं।

फसल-बक

बिलास-बांड के रिश्ते क्षेत्रवर में 72.25 प्रतिशत भाग पर रक्षे फसलों भरे जाते हैं। वर्तमान फसल-बक निम्नानुसार है :-

कुल की साफ-भारी दोनों ही फसलों में ले जाते हैं।
वानिर्भाव फसल-कच

गादों में तिसरा का स्थान प्रमुख है। गादों के मैसारा टुक्दे क्षेत्र के 74.24 प्रतिशत भाग में तिसरा को योग जाता है। यह प्रतिशत निम्न क्षेत्रफल में 25.54 और कुल क्षेत्रफल में 16.06 है। तिसरा गुम्बा तथा जबु-बैनों के तिर विनेता है। इसके उपयोग से तथ्य बेहतर हो जाता है। तिसरा बनाने में बाल्य से इसके कृषि कला आ जाती है। अतः तिसरा के स्थान पर बूबुम को बोने का सुझाव दिया गया है (परिशिष्ट क्रमक 3.9)। बूबुम को तिसरा के स्थान पर समान भौगोलिक वस्तुओं में योग जा सकता है, पर यह फसल विभाग न ढील तिलाहन के फसल है (रसी फसलों की दृष्टि कार्य योग, कीट नित्य क्षेत्र, 1981-82)। इसी प्रकार बूबुम उपयोग नकल से स्वतंत्र प्रकार के स्तर में परिवर्तन से गर्म के सत्त्र में (हाल जाए) बोने का सुझाव दिया गया है, जन फसलों को बोने का क्रम विस्तार होने वाला, जो विकास फसल-वाला का है।

फसलों का उपयोग स्वतंत्र उपयोग

रिकास-बूबुम के मुख्य फसल वाला है जो कुल श्रेणी क्षेत्र के 57.9 प्रतिशत भाग पर वोर जाता है। यह प्रतिशत विभाग फसलों के लिए 25.63 और तिलाहन फसलों के लिए 13.52 है। यह प्रकाश कुल क्षेत्रफल में उपरेक्ष मुख्य फसलों का प्रतिशत 93.06 है जाता है। तेव 63.94 प्रतिशत भाग पर अन्य फसलों बोर जाती है। क्षेत्र में उत्पादन तथा उपयोग के ही टेट्स से बाण का स्थान प्राप्त, बोनों का दृष्टि और लिलान फसलों का इत्यादि है (प्राथ्मिक सर्केशन, 1981)।

विभिन्न फसलों के उपयोग के ओरेक्ष ग्राम ग्रामीण सर्केशन से प्राप्त हुए हैं। बादश पत्रों का प्रति वाणिज्य बाणीक उपयोग बाणीक के उपरेक्ष संगठनों में वित्त-कला है। केवल ने व्यक्ति के उपयोग-वाणिज्य के बारे पर ध्यान के बावल में, विभाग फसलों से प्राप्त उत्पादन को गादों में और तिलाहन फसलों से प्राप्त उत्पादन को भी तेल में वस्त्र दिया है (परिशिष्ट क्रमक 3.10 द 3.11 रवं 3.12) बाणीक


क्रमांक 3.1 में विभिन्न बाद्य फसलों का प्रति वर्ष वार्षिक उपभोग प्रसारित गया है।

### सार्वजनिक क्रमांक 3.1

बाद्य फसलों का उपभोग, 1981

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रमांक</th>
<th>उपभोक्ता क्रम</th>
<th>प्रति वर्ष वार्षिक उपभोग के मात्रा</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td></td>
<td>बाद्य/हेन (किलोग्राम)</td>
<td>तेल (लीटर)</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>मात्रा</td>
<td>हालांकि</td>
</tr>
<tr>
<td>1.</td>
<td>किसान</td>
<td>234.31</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>मजदूर</td>
<td>200.56</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>माया</td>
<td>188.20</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>जीवन</td>
<td>207.69</td>
</tr>
</tbody>
</table>

### सार्वजनिक क्रमांक 3.1 के मानक के आधार मानते हुए विशेष रूप से केंद्रीय प्राम के तिर बाद्य पदार्थों का उपभोग निकाला गया है। केंद्रीय प्रामों में फसलों को बोने के तिर बोनों के मात्रा की लिखी है (परिषद क्रमांक 3.10 और 3.11 रचना 3.12) प्रदेश में बाद्य पदार्थों के उपभोग के मात्रा की सार्वजनिक क्रमांक 3.2 में दस्तावेज गया है।
सारिली क्रमांक 3.2
विकास-बंड बालों : व्यावसायिक उपायों का उल्लोह-उपयोग, 1981

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रमांक</th>
<th>फसल</th>
<th>उत्पादन (टन में)</th>
<th>उपयोग</th>
<th>बन्द/क्षेत्र</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1. बालों (000 टन में)</td>
<td>19.53</td>
<td>15.97</td>
<td>1.36</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>2. बालों (000 टन में)</td>
<td>10.63</td>
<td>2.46</td>
<td>0.83</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>3. तंत्र (लाख तनर में)</td>
<td>2.47</td>
<td>5.06</td>
<td>2.59</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>

सारिली क्रमांक 3.2 के स्पष्ट है कि विकास-बंड मुख्य फसल बालों के उत्पादन में आरम्भिक निर्माण है। परंतु वालों तथा तंत्र के प्रौढ़ के लिए तत्कालीन क्षेत्रों पर निम्नतम उत्पादन पड़ता है। (परिक्षेत्र क्रमांक 3.13)

कृषि के समस्याएँ

विकास-बंड में कृषि-गृही का प्रतिशत (70.23) गाढ़ा प्रदेश (42.26) के तुलना में बढ़ता आयाम है। परंतु प्रौढ़ कृषि-गृही भारी रम्भिक फसलों के उत्पादन में क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। तैलक ने वर्तमान कृषि-गृही के वर्तमान स्तर के अनुसार उपयोग की अवस्था, तथा इसे स्वर्ण-अवस्था का उत्पादन क्रम आगे बढ़ाने का सुझाव दिया है।

क्षेत्र के कृषीय प्रांगण में जनसंख्या का उद्योग अवस्था मिलता है। मध्य-पूर्व के कृषीय प्रांगणें में यह उद्योग 5.0 अधिक प्रति डेक्रेड तो आवश्यक है। चालू नगर में यह बढ़ता (9.72) सर्वाधिक मिलता है। कृषीय प्रांगण के जग-नामपुर तथा बरदी में यह बढ़ता क्रमें 2.47 रम्भ 2.87 व्यक्ति मिलता है। कृषी के भीतर, पूर्व अवस्थात कम विकसित है।

भवन के नीचे का पर

1 है। क्षेत्र में विविध का
विकास-बंध में सीमित क्षेत्र का प्रतिलक्षण भावान्त है। केंद्रीय ग्राम 
रप्तेंगा (निवाश क्षेत्र में 2.21 प्रतिशत), गान्नाथपुर (11.90 प्रतिशत), बॉक्स 
(22.35 प्रतिशत) और नलका (26.39 प्रतिशत) में सीमित क्षेत्रफल का प्रतिलक्षण 
विकास-बंध के अन्य केंद्रीय ग्रामों के तुलना में बहुत कम है।

निवासीय क्षेत्र यहाँ के क्षेत्र के मुख्य विकास है। धान, खाद्य, 
वास्तविक उपज के अंतर्गत व्यापक अंदाज में घटते हैं। इसका प्रतीत है कि इसका 
उपयोग अन्य फसलों के तुलना में अधिक है। क्षेत्र के कुल क्रीड़ा श्रेणी के में 36.28 प्रतिशत 
पर नकदी फसलें ले जाती हैं, जिनमें दलन, तिलन, ताक-मार, रव फसल मुख्य 
है, परंतु इनका प्रतीत होता रहता है उपरांत बढ़ता है।

ताहता नदी, मुख्य रव सेमेरिया नाटा के निकटतम केंद्रीय ग्रामों 
में तथा झिंझी लड़ाई केंद्रीय ग्रामों में पिटाई का उपयोग और अन्य क्षेत्र 
वार्षिक क्रिया में गतिविधियाँ का अनुक्रमण व्यापक होता है। वैध्यन्तिक श्रेणी के 
अंतर्गत पिटाई के अनुक्रमण के रूप में जाता है। उपमुख्य फसल-बँच के अंतर्गत वलन 
रव तिलन फसलें का प्रतीत होता है उपरांत बढ़ता है जो सकता है।

क्रीड़ा-संभावनाएँ

विद्वानों विकास-बंध प्रमुख धारणा उपयोग के उपरांत ये आसम 
रिक्ष है, परंतु भारी संतुलन की बनार खाने के लिए धान का प्रतीत होता यह विशेषत 
उपयोग अपेक्षित है, और यह विशेषत उपयोग उत्तम के बाद तथा उत्तम 
के अनुक्रमण उपयोग पर ही संबंध है। वलन रव तिलन फसलें का उपयोग बढ़ता 
हो क्योंकि रव एन जैसे प्रतीत के लिए अन्य उपयोग श्रेणी पर निर्भर रहता 
है। क्षेत्र में अधिकतम वलन रव तिलन फसलें रव में ले जाती हैं। ये फसलें वर्षा- 
बारु के मूल वर्षा भाग्य में का तादाद पाते हैं। ये दुर्भाग्य फसलें हैं, जिनमें तिंकर दे 
वाल नदी के साथ वर्षा भाग्य के तादाद पाते हैं। उधोंने उत्तम के बाद, तथा वर्षा के साथ 
उपयोग का इन फसलों का उपयोग बढाने के लिए प्रतीत करते हैं। उधों से तिंकर का 
विस्तार का के और अधिक उपयोग लिया जा सकता है।
वैष्णव-संभावनाएँ

विस्तार बंद में नव लेखक के 92.48 प्रतिशत श्रेणि पर कुछ बादाय फसल धान भोग जाती है। यह बीतत वार्षिक वर्षा 1, 148.83 मिलीमीटर होती है। जबकि धान के लिए औसत 1,500 मिलीमीटर वर्षा के आवश्यकता होती है (सेन, 1976, 58)। इस प्रकार विस्तार बंद में औसत रूप से 351.17 मिली - मीटर वर्षा की कमी होती है। शेख के नव लेखक के विस्तार-साधनों से 52.65 प्रतिशत क्षेत्रफल के विस्तार होते हैं। इस प्रकार 39.83 प्रतिशत धान बाले शेषफल मे 351.17 मिलीमीटर विस्तार की आवश्यकता होगी। इसे बंटित करने के लिए अपने धान बाले क्षेत्र मे 115 बिने मे तैयार होने वाले धान के फसल का उत्पादन फिरा जाना चाहिए। शेख के अन्य बादाय फसलें उत्पादन और उत्पादन है, जिनके सिंचाई के आवश्यकता कम होते हैं।

भू-गतिक जल के अध्ययन के अन्तर्गत नत-कृषि तथा कुछ के द्वारा सिंचाई के लिए संभावित झरों का स्थापना किया गया है।

नत-कृषि के द्वारा प्रयोजनित सिंचाई

सन 1981 मे विस्तार-बंद में नतकृषि के द्वारा कुल विस्तार शेषफल के 0.83 प्रतिशत क्षेत्रफल पर सिंचाई होती थी। शेख में कुल 19 छात्रावास नतकृषि भोगे गए हैं (परिस्थित्क क्रमांक 3.14), जिनमें 14 सिंचाई करने वाले नतकृषि हैं और 5 नतकृषि प्राथमिक स्तर के द्वारा भोगे के पानी के लिए कोटे गए हैं (भू-गतिक जल नतकृषि रिकाग, दुर्ग, 1981।)

शेख के भू-विज्ञान के अध्ययन से लगभग हे कि भू-गर्भ में बुना-प्लेट, शेख, और घात का पार्वती तीनों दे ऊपर के क्रम में फिल्टर है। जल: भू-गतिक संरचने के इस्तेमाल से विस्तार-बंद के उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पूर्व के क्षेत्रों में नतकृषिक द्वारा सिंचाई के बाधक संभावनाएं है (भू-गतिक जल नतकृषि रिकाग, दुर्ग, 1981।)
प्रामाणिक ज्ञान के बलाथ स्वर्ण उपयोग

प्रामाणिक ज्ञान के बलाथों का प्रबन्धन 'अंत: सरि शिव' और 'जल-सरि-मौक्यता शिव' के द्वारा प्रयोग गया है (प्रामाणिक ज्ञान नलकृष्ण विभाग, दुर्ग, 1981।)। इन विभागों के द्वारा प्रबन्धन की है जो स्वर्ण के लिए चौथ में निर्माण 2,545 हेक्टेयर मैदान और उच्चतम 3,271 हेक्टेयर मैदान प्रारंभ में जल भंडार है, जिसमें नलकृष्ण, कुलों तथा मन्य साधनों के द्वारा 579 हेक्टेयर मैदान जल का उपयोग होता है। इस प्रकार निसा शोधन के अंतर्गत द्राक्ष के निर्माण 1,966 हेक्टेयर मैदान और बीज भंडार 2,692 हेक्टेयर मैदान जल-भंडार गुरूक्षेत्र है।। इसी प्रकार विकास बंड के कुल भौगोलिक शोधन में निर्माण 3,624 हेक्टेयर मैदान और बीज भंडार 4,658 हेक्टेयर मैदान जल-भंडार है।। भूमि कुल भौगोलिक शोधन में निर्माण 3,045 हेक्टेयर मैदान जल भंडार का उपयोग विचारं साधनों के द्वारा किया गया है (प्रतिशत क्रमाकर 3.15।)

मध्य प्रदेश में 1970-1979 के मध्य कुलों, नलकृष्णों तथा अन्य चिंचार्य-साधनों के द्वारा विचारं-बंड में 2.41 प्रतिशत रही (संबंध, 1982, 46-88, रवि भारत-संबंध, 1974, 75।)। बंतु नलकृष्णों तथा कुलों के द्वारा दस वर्षों में प्रतिशत विचारं विकास-बंड के 2 प्रतिशत माना गया है। वर्तमान में विकास-बंड में रफ्त नलकृष्ण के द्वारा तकनिष्ठ 6.650 हेक्टेयर होतने के विचारं होते हैं, जबकि मध्य प्रदेश में 7.500 हेक्टेयर द्राक्ष के विचारं होते हैं (प्रामाणिक जल नलकृष्ण विभाग, दुर्ग, 1981।।)। इस प्रकार सन् 2001। तक विकास-बंड में 367.813 हेक्टेयर विकासीक शोधन के विचारं नलकृष्णों के द्वारा होगें (प्रतिशत क्रमाकर 3.16) रिटर्न के लिए 36 विकासीक नलकृष्णों की आवश्यकता होगें।

कुलों तथा विद्यमान विचारं के द्वारा प्रतिशत विचारं

सन् 1981। में विकास-बंड में कुलों के द्वारा विचारं के द्वारा विचारं के 4.42 प्रतिशत विचारं के विचारं होते हैं। यद्यपि विचारं का वात 935 कुलों है,
विज्ञान विषय पृष्ठ के बांध 199, विज्ञान पृष्ठ के बांध 48, और मानवीय धम के दुर्गा ज्या बांध उपवन विज्ञान पृष्ठ के बांध 688 कुंभ है। इस प्रकार रक्षक कुंभों के झील ज्या बांध 0.526 देवेश्वर विज्ञान के निवास होते हैं। क्षेत्र के विकास-विज्ञान, साधन-विकास-पुष्टि के विन्दु विकास के रूप विचार के रूप से उपस्थित गार है (मानचित्र क्रमांक 3.5, ध-गर्म जल नलस्फुट विश्वास, पुरुष, 1981)। रक्षक विन्दु विकास के रूप विचार-हामत 0.526 देवेश्वर यान ले गई है। क्षेत्र में वन 1981 तक रक्षक विन्दु वाला कुंभ नहीं था। कुंभों तथा रक्षक वाले कुंभों के दुर्गा विज्ञान-विकास-दर 2 प्रतिष्ठान के आधार पर वन 2001 तक कुंभों तथा रक्षक वाले कुंभों से 475.248 देवेश्वर विकास-विज्ञान के निवास होगे और 926 वित्तीय दोहरा-रहे कुंभों के आधार काट होगे (परिषिक्षण क्रमांक 3.17)।

प्रयासकित सिद्धिन होत्रात

उपवन विकास के अनुसार वन 2001 तक विकास-वंश के कुल रिश्वत होत्रात में सिद्धित होत्रात का प्रतिशत 58.63 होगा, जबकि यह प्रतिशत सन 1981 में 52.65 है। वन 1981 में केरेदीय घाट जल=नवपुर, बॉक्स, जमींदार और दराय देवा वाली संस्कृत होत्रात का प्रतिशत केवल कम: 11.90, 22.35, 26.39, और 2.21 है, इसलिए वन 2001 में बहुर होत्रात: 17.90, 28.34, 32.39, और 8.21 हो जाएगा (मानचित्र क्रमांक 3.6, परिषिक्षण क्रमांक 3.18)।

कृषि-विकास के लिए संस्कृति

कृषि के वर्तमान विकासवादों से विद्यमानों के आधार पर मनोरित संस्कृति अपेक्षित हैं ---

1. विकास-वंश धान के उपवन में कार्यकीर्ति, पर मानों मैं धान में स्थाने धान के लक्ष्य उपवन तत्त्व संस्कृति अपेक्षित है।

2. वस्त्र तथा विकास वस्त्रों के लिए विकास-वंश गो तथ्य है, वन वस्त्र वाले की प्रभाव के रूप फसलों के उपवन अपेक्षित है।
विकास-रवण बातोँ
प्रस्तावित नलकुण, कुमी, 
विविध कुटी की पैटी

छोटा नलकुण विभाग, जिला दूमी

मानविक 3-5
3. वतन्त्र तथा तिलक फसलों को विभाग के कम बातायकता है। उन फसलों
का अधिक उपयोग उत्तम बेच, खाद तथा उपहारों के अनुकूलतम उपयोग पर
निर्धार है।
4. वर्तमान निया क्षेत्रफल में दे वैज्ञानिक तकनीकों का प्रयोग का अधिक से अधिक
उपयोग उत्पादन विनाशक है।
5. तिथि के खण्ड पर कृषि के क्षेत्र के नार।
6. प्रांगणका के भाग के प्रांगण का अभिन्न है।
7. जब होने के संबंध हो, जबत पंड क्षेत्रको को कृषिकाे के लिए युवियारू प्रशासन
के जार।
8. मानव-संसाधन का विकास अपेक्षित है।

उपर्युक्त संस्थानों के भाग का प्रांगण-बंध भागों का 20 वर्ष का
क्षेत्र-योजना तैयार का गई है। पुर्वि के तिथि उन क्षेत्र के जो संस्थान में विभाग
तक।

विकास-बंध के कुल मानकवाल क्षेत्रफल में निया फसल का प्रतिशत
70.23 है। वन, पशुपालन, अध्यापण तथा वातावरण संरक्षण को ध्यान में खाने के द्वारा
निया क्षेत्रफल में बीडिया अनावश्यक होती है। स्तरीय वर्तमान निया क्षेत्रफल में है
वैज्ञानिक तकनीकों का प्रयोग का अधिक से अधिक उपयोग विनाशक ना सकता है।

शेख के मुख्य बालिका फसलें - वान, वतन्त्र और तिलक है; अतः
उन्हें फसलों के बालिका र्व प्राप्त अविश्वास उर्च्छन तथा उपयोग को स्थाप करने पर
विशेष ध्यान दिया है।

विकास-बंध में फसलों के बालिका र्व प्राप्त अविश्वास उर्च्छन का
साली क्रमांक 3.3 के वातावरण के स्थाप किया गया है।
वालेमुख क्रमांक 3.3

विभाग-बंप बालोब : वर्तमान तथा प्रत्यावर्तित फसलों का उत्पादन (विभ/केतेडॉ)

<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रमांक</th>
<th>फसल</th>
<th>वर्ष</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1.</td>
<td>धान</td>
<td>15.75</td>
</tr>
<tr>
<td>2.</td>
<td>बाले</td>
<td>3.69</td>
</tr>
<tr>
<td>3.</td>
<td>तिलचन फसल</td>
<td>1.95</td>
</tr>
<tr>
<td>4.</td>
<td>कुमुम प्रस्तावित फसल</td>
<td>-</td>
</tr>
</tbody>
</table>


उपर्युक्त फसलों को चोने के लिए 3.10 प्रतिवेदन शीर्ष के माध्यम से चावल के माणा, प्रति प्रति विभंग विषाक्षित फसल से छिलका व्यापक शीर्ष के माणा पर डाल के माणा रूप दृष्टि में प्रति विभंग तिलचन फसलों से नेल के माणा को पोशाकण क्रमांक 3.10 और 3.11; रूप 3.12 में स्पष्ट गया है।

मिट्टी संरक्षण के संतुलितर

<table>
<thead>
<tr>
<th>मिट्टी संरक्षण के तह निम्न नोटिफिकेशन हैं ।</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1. मिट्टी के क्वांतित होने से नरक,</td>
</tr>
<tr>
<td>2. मिट्टी के उज़वता रूप के बन्धंत्र तथ्यों के अविश्वसनीय गवर्ड उज़वता के दाम के देखना, रूप</td>
</tr>
<tr>
<td>3. भूवैज्ञानिक के तह उत्पादन-स्थान में बुझेंद क़र्न।</td>
</tr>
</tbody>
</table>
मिद्दत के योग स्थान पर न ढेख जाय, तो जल के साथ
बहार नट हो जाय। और उसे धूम के नट होने से उपाधिश-क्षमता नगर जाय।
मिद्दत के योग स्थान और विकास स्थान के नगर होने से मुक्ति हो सकता है।
विकास-बैंड में वहाँ फलों के जाते है, बैंडों के जाते समय जय पहले बनाने का है।
विकास-बैंड से वहां के चारों विकास से गृह के सहायता करते है।
सहायता चारों विकास से गृह के कार्य के रोक लगाई जाय।
प्रथम विकास से गृह के कार्य के रोक करते लगते है।
मिद्दत के उद्देश्य का उपाधि सबसे हानिकारक है, क्योंकि उससे
उपाधि पर उपाधि पड़ता है। तत: सबसे महत्त्वपूर्ण उपाधि धूम-उपाधि का नियोजन
है। नियोजन के सब मुख्य तत्त्व ही है - 1. धूम का उपाधि, और 2. धूम के
उपाधि-शक्ति का विकास। इस दोनों तत्त्वों में सामना तापन का कार्य विशेष महत्व-
पूर्ण है। मिद्दत के उत्पादन शक्ति तथा विकास के उपाधिक का जान बुझ आक्षेप
है, क्योंकि मिद्दत में उपाधि विकास के बैंड न होने से उसके उपाधि-शक्ति का
अधार होता है। तत: धूम का नियोजन प्रयोग होना चुक आक्षेप है।
विकास-बैंड के क्रम बैंडों में उपाधि विकास चेष्टा स्वभाविक प्रावीणिक का उपयोग करके प्रति वैज्ञानिक
विधि से गृह के नगर होने से सके है। यदि मिद्दत के गृह के अनुमान फलों से गाया
है, तब प्रति वैज्ञानिक उत्पादन भी रोकेगा, साथ ही मिद्दत के उद्देश्य के बारे होगी रोकेगी।
मिद्दत के उपाधि-शक्ति चाहे जाने के लिए रासायनिक बारे का अनुक्रम उपयोग
आक्षेप है।

होट के मुख्य नीचे तांदुला तया जामा लव में गाया नाले के गोरे-गोरे
फिनारों में बहार भरा भै। वाहे - कहाया, नैक, भोजन उत्याये दोषित बिन जाय, जिसकी
वर्षा घुन में लोप उपाधि हो रहा हो सके।
वर्ष 1991 और 2001 में मुख्य फसलों का उत्पादन तथा उपमौग का प्रशोधन

यदि प्रशोधन सभी योजनाओं पूरे हो जाते हैं, तब यह आवश्यक हो जाता है कि किस सूचा तक रोप उत्पादन के सामग्री पूरे होंगे। इस उद्देश्य के लिए वर्ष 1991 और 2001 के नतीजों का प्रशोधन किया गया है (परिषद क्षेत्र 8.5) और लोगों के भोजन करने के आदेश के अधीन पर हेड़ बाणों में मुख्य फसलों के उपमौग का प्रशोधन किया गया है (मानवीय क्षेत्र 3.7, 3.8 रवै 3.9)।

फसलों का उत्पादन प्रशोधन कुछ बाय-नबायों पर आधारित है जैसे अनुकूलित फसल- बच अपनाने, उत्तम बेया, खाद्य और दवाइयों का अनुकूलित उपयोग करने, चिकित्सक क्षेत्रों में ग्राज़न की चर्चा करने, शिक्षा और वातावरण को काम कर्ता क्षेत्रों में 115 वित्तों में वैश्विक को बात वाता ताफ़ा करना अधिक से लिखा उत्पादन लेने, उत्पादन क्षेत्रों में फसलवार उत्पादन परिषद क्षेत्र 3.19, 3.20, 3.21, 3.22, 3.23, 3.24, 3.25, 3.26, 3.27, 3.28, 3.29 रवै 3.28 में शामिल गया है। साथ ही विकास-बंद में वर्ष 1991 और 2001 में मुख्य फसलों का उत्पादन रवै उपमौग सार्वजनिक क्षेत्र 3.4 से स्पष्ट है।

### सार्वजनिक क्षेत्र 3.4

विकास-बंद बालोद: बाह्य पदार्थों का अनुकूलित उत्पादन रवै उपमौग,
1991 रवै 2001

<table>
<thead>
<tr>
<th>फसल</th>
<th>1991</th>
<th>बचत/कैसे</th>
<th>2001</th>
<th>बचत/कैसे</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>जाति (पिंजरे टन)</td>
<td>24.80</td>
<td>19.61</td>
<td>5.19</td>
<td>31.25</td>
</tr>
<tr>
<td>दली (–, –)</td>
<td>0.51</td>
<td>3.02</td>
<td>-2.51</td>
<td>0.59</td>
</tr>
<tr>
<td>तेत (लाइफ लॉट)</td>
<td>13.85</td>
<td>6.22</td>
<td>7.63</td>
<td>25.72</td>
</tr>
</tbody>
</table>

सार्वजनिक क्षेत्र 3.4 से स्पष्ट है कि यह भेंज का 1991 में बंद के
विकास खण्ड बालोड़
वादल का प्रदोषित उत्पादन रव उपभोक्ता
1981-2001
उत्पादन में आमंत्रण का और रासों तथा तत्त्व के आपूर्ति के लिए अन्य उत्पादन
होने पर रेती रात गहरा था। वर्ष 1991 में बसत तथा तेर के उत्पादन में
विजय-विजय बालीकी के जरिए। तेर के उत्पादन में आमंत्रण का बाला तिथियों
के क्षेत्र पर ग्रेग की शैली स्थापित है। ग्रेग नियुक्ति के स्वरूप है। इकट्ठे और
वर्ष 1991 में रासों के उत्पादन में 2.5। राशि तन के कम होने। यह कम सन्
1981 के तुलना में तीन गुना है। तथा शुद्ध ताप तिथियों के हेमकत में प्रतिवर्ष
प्रयोग ग्रेग (नियुक्ति) के चित्र और समय के तारापित आयुष्मान है। वर्ष 2001 में
रासों के घोड़े बसत तथा दूर के उत्पादन में विजय-विजय बालीकी में ग्रेग और
रासों के 91 के सन् 1981-91 के तुलना में वन होने। रासों के कम के
आपूर्ति तत्त्व के आपूर्ति उत्पादन के जो जरूरी, जो: पॉयल बनुकिंग
मान-मान उन्नतियों और पुष्टि तृवर्य समय पर उपलब्ध हो जाते हैं, तब एक देखें
उत्पादन का तथ्य क्रम होने में कोई भी नहीं है।

उत्तम शेख, खास रूप से वर्तमान में उपयोग करने ग्रेग रासों के
आपूर्ति ग्रेग रासों का क्रम देखें तत्त्व उत्पादन बीमार घटना को।

प्रस्तुत अध्याय का उद्देश्य रासों का बौद्धिक अध्ययन करने
रासों उपयोग की जाँच करना है; जो: उत्पादन-नामंग रूप से नाम-नाम
करना चाहिए। अध्ययन से लाभ के जानकारी प्राप्त रासों के 82 में प्राप्त हो है, तामात-
ग्रेग समय-समय-समय सबसे बुरा होता है, अतः इस पर तथ्य क्रम स्थापित या नहीं
है।

क्रिश के सांस्कृतिक व्यवस्थापन के अन्य कारणों का प्रयोग आयुष्मान
है। इस क्षेत्र में पशुपालन, वुड उत्पादन, वन आपूर्ति उद्योग और फलोदयोग,
रासायनिक है। क्रिश के सांस्कृतिक उद्योगों के विकसित होने से दोनों के खूब
पर निर्भरता भी क्रिश। कम होते जाते है।